अनुक्रमणिका

1. Indian and European perception of Horses of Rajasthan (15th-19th Centuries A.D.)
—Prof. V.K. Vashishtha ... 13

2. The Marwari and the Kathiawari Breeds of Horses
—Kr. Gajendra Pal Singh Posana ... 26

3. The Sea and Land Borne Horse Trade Routes of India as Reflected in Medieval Sources
—Dr. Jibraeil ... 36

4. The Mundane and Trancendental Domain of Horse Power in Indian Culture and Civilization
—Dr. Anil Paliwal ... 50

5. Depiction of Horses in the Persian Sources
—Prof. Dr. Pushpa Sharma ... 59

6. Economic Aspects of Horses
—Dr. Pooja Gehlot ... 70

7. मराठा अश्वारोही सेना में अश्व की भूमिका
—डॉ. के.एस. गुप्ता ... 75

8. अठारहवीं शताब्दी में महाराजा सवाई जयसिंह द्वारा अश्वमेध यज्ञ, ऐतिहासिक संदर्भ
—डॉ. राघवेन्द्रसिंह मनोहर ... 80

9. कानोड़ ठिकाना के परिप्रेक्ष्य में अश्व
—डॉ. जे.के. ओझा ... 86

10. पूर्व मध्यकालीन शिलालेखों में अश्व
(सैन्य एवं आर्थिक म्हत्त्व के विशेष सन्दर्भ में)
—प्रो. एस.पी. व्यास ... 91

11. पुरालेखीय बहियों में उहड़ राठौड़ों के अश्व का वृत्तान्त
—डॉ. विक्रमसिंह भाटी ... 97

12. धाट क्षेत्र की संस्कृति में अश्व : एक अध्ययन
—डॉ. एम.आर. गढ़वीर ... 102

13. मारवाड़ के ठिकानेदारों की रेख-चाकरी और अश्व
—डॉ. जितेन्द्रसिंह भाटी ... 107

14. दत्ताणी महायुद्ध, महाराव सुरताण और उनकी घोड़ी केसर
—डॉ. राजेन्द्र कुमार शाह ... 111

15. नकुलदेव कृत शालिहोत्र–अश्व चिकित्सा : एक अध्ययन
—प्रो. विनीता परिहार ... 116

16. शालिहोत्र ग्रंथ में घोड़ों की बीमारियां और उनका उपचार
—डॉ. सद्दीक मोहम्मद ... 122

17. विवाह उत्सव में अश्व का सांस्कृतिक महत्त्व
—डॉ. प्रियदर्शी ओझा ... 128

18. राजस्थानी लोक गाथाओं में अश्व
—डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ... 140

19. सौराष्ट्र की लोकसंस्कृति में अश्व
—डॉ. ए.वी. चौथानी ... 144

20. सुंदरजी सौदागर : जीवन और कार्य (अश्व व्यापार की
प्रवृत्तियों के विशेष संदर्भ में)
—अरुण वाघेला ... 150

21. गुजरात के अश्व व्यापार केन्द्र : एक ऐतिहासिक अध्ययन
—डॉ. लक्ष्मण वाढेल ... 158

22. अश्वों के वर्ण (महाभारत के सन्दर्भ में)
—डॉ. श्रीमती निर्मला उपाध्याय ... 170

23. वेदों, पुराणों एवं संस्कृति में युग-युगीन अश्व
—डॉ. दीनदयाल ओझा ... 188

24. यज्ञानुष्ठान में अश्व का महत्त्व
—डॉ. सत्यप्रकाश दूबे ... 200

25. पुराशास्त्रों में अश्व का धार्मिक महत्त्व
—श्यामसिंह राजपुरोहित ... 210

26. वैदिक साहित्य में अश्व सम्बन्धी कतिपय संदर्भों का अध्ययन
—डॉ. सोहनकृष्ण पुरोहित ... 216

27. अश्वों के देशकुलनाम तथा लक्षण (महाभारत में अश्व विमर्श)
—डॉ. मनोरमा उपाध्याय ... 225

28. रासो साहित्य में जंगम (सगतरासो के विशेष संदर्भ में)
—डॉ. उषा पुरोहित ... 237

29. पाण्डुलिपियों में शालिहोत्र के वृत्तान्त
—डॉ. कमलकिशोर सांखला ... 247

30. वंश भास्कर में अश्व वर्णन : एक अध्ययन
—डॉ. सूरजमल राव ... 254

31. माघ काव्य में अश्व वर्णन
—राकेश रामावत ... 257

32. अश्व के अवयवों में कालादि-दृष्टि
—डॉ. दिलीपकुमार नाथाणी ... 264

33. उत्तराध्ययन सूत्रम् अंतर्गत अश्व प्रसंग
—डॉ. वसुमती शर्मा ... 267

34. ठिकाना पीह की अश्व पालन व्यवस्था
—डॉ. श्रीमती विमलेश राठौड़ ... 275

35. राजस्थानी कहावतों में अश्व-वर्णन
(व्यंजना की विलक्षण अश्वशक्ति)
—डॉ. रामदयाल सागर ... 285

36. अश्व के रंग व भंवरियें
—ठा. अर्जुनसिंह उमकली ... 291

37. वेद व पुराणों में अश्व का वृत्तान्त
—अनुराधा टाक ... 293

38. भारत में अश्व सम्बन्धी जानकारी का अकूत भण्डार
(संदर्भ : प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान में संग्रहीत पाण्डुलिपियां)
—कमलेश बहुरा ... 297

39. वाल्मीकि रामायण में अश्व और उनकी सुश्रुषा
—सरोज रामावत ... 305

40. लोकसाहित्य में घोड़े के उपमति शब्द-मंजूषा
—डॉ. सुमन पंवार, प्रेमलता भाटी ... 309

41. संस्कृति एवं राजस्थानी शब्दकोषों में अश्व
—सरस्वती देवी ... 315

* * *